कपास में अब चुनाई शुरू हो गयी है। धूप खिलने के बाद ही साफ व् सूखी कपास की चुनाई करें। सूंडी ग्रस्त व् बीमारी युक्त टिंडों की चुनाई अलग करें उसे साफ कपास में मिक्स न करें।

इस समय कपास में टिंडे खिलने की अवस्था चल रही है मुख्यतः रेतीले इलाकों में टिंडो की वजह से पोषक तत्वों की आवश्यकता अधिक रहेगी। अतः किसान भाई नीचे बताई गई सिफारिशों को अपनाकर कपास का उत्पादन अधिक लें सकते है।

सस्य क्रियाएँ

- धूप खिलने के बाद ही साफ व सूखी कपास की चुनाई करें। देसी कपास सितम्बर के तीसरे सप्ताह में चुनने के लिये तैयार हो जाती है। इसकी चुनाई 8–10 दिन के अन्तर पर करें। अमरीकन कपास अक्तूबर के महीने में चुनने के लिये तैयार हो जाती है। चुनाई 15–20 दिन के अन्तर पर करें। इससे क्षति कम होती है। कपास का सूखे गोदामों में भण्डारण करें।
- अगर एक तिहाई टिन्डे खिल चुके है तो कपास में पानी न लगायें ।
- पछेती कपास की फसल में **13:0:45** दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से 2 छिड़काव 10 – 15 दिन के अंतराल पर जरूर करें।
- ड्रिप विधि के द्वारा लगाई गई कपास में अब ड्रिप द्वारा पानी लगाना बंद कर दे व् खाद को भी ड्रिप द्वारा न दें ।

कीट प्रबंधन

- **पिछले सप्ताह किए गए सर्वे में ज्यादातर खेतों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप आर्थिक कगार से ऊपर मिला है । बी.टी. नरमा की फसल में सितम्बर माह के दूसरे पखवाड़े में गुलाबी सुंडी के पतंगों की संख्या में बढ़ोतरी पाई गयी है।**
- **अक्टूबर माह का प्रथम सप्ताह गुलाबी सुंडी के नियंत्रण हेतु महत्वपूर्ण है अतः गुलाबी सुंडी का निरिक्षण नरमा की फसल में अवशय करें।**
    - नरमा की फसल में 100 फूलों का निरिक्षण करें इसमें से यदि 5–10 फूल गुलाबी सुंडी से ग्रसित मिलते हैं या 20 (15 दिन पुराने) टिन्डो को फाड़कर देखने पर 1–2 टिन्डो में जीवित गुलाबी सुंडी मिलती हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता हैं।
- नरमा की पछेती फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5–10 प्रतिशत होने पर एक छिड़काव 80 से 100 मिलीलीटर साइपरमेथ्रिन (साईपरकिल/सिम्बुश हिल/साईपरिन/साईपर गॉर्ड) 25 ई. सी. या 100–125 मिलीलीटर फेनवलरेट (फैनवाल/सुमिसिडीन/एग्रोफेन/मिलफेन) 20 ई. सी. या 160 से 200 मिलीलीटर डेल्टामेथ्रिन (डैसिस) 2.8 ई. सी. या 100–125 मिलीलीटर अल्फामेथ्रिन (ऐलफागॉर्ड) 10 ई. सी. को 175–200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से स्प्रे करें।

रोग प्रबंधन

- **टिंडा गलन रोग पर नियंत्रण के लिए सुंडी नियंत्रण वाली सिफारिश की गयी दवाई के साथ कॉपर ऑक्सिक्लोराइड या बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के साथ मिलाकर छिड़काव करें ।**
- जीवाणु अंगमारी रोग के लिए किसान भाई 6 से 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाईक्लीन और 600 से 800 ग्राम कॉपर ऑक्सिक्लोराइड को 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 से 20 दिन के अंतराल पर दो से तीन छिड़काव करें।

- कपास के तिड़क रोग से टिंडे ठीक तरह से नही खुलते। यह रोग हरियाणा के पश्चिमी इलाकों में कभी कभी लगने लगता है। रेतीली जमीनों में नाइट्रोजन की कमी के कारण कपास के पत्तों का रंग लाल पड जाता है एवम बढ़वार रुक जाती है। फूल तथा टिंडे लगने के समय आवश्यकतानुसार खाद डालने व पानी देने से जमीन के तापमान में कमी आती है और इस रोग की रोकथाम में आसानी होती है।

अन्य सलाह

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग द्वारा समय समय पर जारी मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही कीटनाशकों एवं फफूंदनाशकों का प्रयोग करें।

हरा तेला के लक्षण (किनारों से पीलापन एवं नीचे की तरफ मुड़ना)

सफ़ेद मक्खी के लक्षण (पत्तों पर चिपचिपा तेलीय स्राव)

गुलाबी सुंडी के लक्षण (फिरकीनुमा फूल)

गुलाबी सुंडी के लक्षण (क्षतिग्रस्त फूल)

गुलाबी सुंडी के लक्षण (क्षतिग्रस्त टिंडा)

गुलाबी सुंडी के लक्षण (टिंडों में निकास छिद्र)

टिंडा गलन रोग की अलग-अलग अवस्थाएं

अति आवश्यक

- नरमा की पछेती फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5–10 प्रतिशत होने पर एक छिड़काव 80 से 100 मिलीलीटर साइपरमेथ्रिन (साईपरकिल/सिम्बुश हिल/साईपरिन/साईपर गॉर्ड) 25 ई. सी. या 100–125 मिलीलीटर फेनवलरेट (फैनवाल/सुमिसिडीन/एग्रोफेन/मिलफेन) 20 ई. सी. या 160 से 200 मिलीलीटर डेल्टामेथ्रिन (डैसिस) 2.8 ई. सी. या 100–125 मिलीलीटर अल्फामेथ्रिन (ऐलफागॉर्ड) 10 ई. सी. को 175–200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से स्प्रे करें।
- कपास के तिड़क रोग से टिंडे ठीक तरह से नही खुलते। यह रोग हरियाणा के पश्चिमी इलाकों में कभी कभी लगने लगता है। रेतीली जमीनों में नाइट्रोजन की कमी के कारण कपास के पत्तों का रंग लाल पड जाता है एवम बढ़वार रुक जाती है। फूल तथा टिंडे लगने के समय आवश्यकतानुसार खाद डालने व पानी देने से जमीन के तापमान में कमी आती है और इस रोग की रोकथाम में आसानी होती है।

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 9466812467 8901047834

कपास अनुभाग

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय हिसार